पुलिस अधिकारी पुरानी धारणाएं मिटा कर नई परम्पराएं स्थापित करें

–गृहमंत्री

जयपुर, 23 दिसम्बर। गृहमंत्री श्री गुलाब चंद कटारिया ने नव प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों का आह्वान किया है कि वे पुलिस महकमें में नई परम्पराएं और आयाम स्थापित करते हुए विभाग की छवि को नया रूप दें, ताकि पुलिस के प्रति जनता की पुरानी धारणाएं खत्म हों। उन्होंने कहा कि अब समय बदल गया है, हमें भी बदलने की जरूरत है, जिससे कि हम आम जनता के दुख–दर्द को समझ कर उन्हें राहत पहुंचा सके।

श्री कटारिया शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में आर.पी.एस.(प्रोबेशनर), उप निरीक्षक.(प्रोबेशनर), प्लाटून कमाण्डर(प्रोबे.), राजस्थान पुलिस कांस्टेबल (बैण्ड) रिक्रूट तथा सी.आई.एस.एफ. कांस्टेबल (बैण्ड) रिक्रूट के दीक्षांत परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब वह समय आ गया, जब विभाग की छवि को नये रूप में निखारी जाये।

गृहमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों की समस्याओं के प्रति भी गंभीर है। उन्होंने कहा कि सरकार पुलिस व्यवस्था में अत्याधुनिक डिजिटलाइज्ड सुविधाएं विकसित कर पुलिस को मजबूत बनाने के लिये प्रयासरत है, ताकि वे उन अपराधियों से भी निपट सकें, जिनके पास पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं हैं।

श्री कटारिया ने पुलिस विभाग से जुड़ने जा रहे प्रशिक्षु आर.पी.एस. अधिकारियों, उप निरीक्षकों एवं अन्य पुलिस बल के जवानों को बधाई देते हुए कहा कि आपका प्रशिक्षण अब पूरा हो चुका है और अब आप उस जनता की सेवा के लिये तैयार हो चुके हैं, जिन्हें न्याय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं आप लोगों से यह आशा करता हूँ कि आप अपनी उपस्थिति इस तरह दर्ज कराए कि इससे लोगों में आपकी छवि की प्रशंसा के साथ–साथ इस विभाग की कार्यशैली में भी बदलाव नजर आये।

उन्होंने कहा कि आप जनता के बीच राजस्थान की गौरवमय परम्पराओं का पालन करते हुए एक अच्छे जनसेवक के रूप नजर आए। इस अवसर पर उन्होंने परेड द्वारा अभिवादन एवं परेड निरीक्षण भी किया तथा शपथ एवं शस्त्र शपथ भी दिलवाई।

श्री कटारिया ने प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रशंसा पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित भी किया। सम्मानित होने वाले आर.पी.एस. प्रशिक्षु इस प्रकार थे– आल राउण्ड में सर्वश्रेष्ठ एवं इण्डोर विषयों में प्रथम रहे श्री देवेन्द्र सिंह, आउटडोर विषयों एवं फायरिंग में

......2/

प्रथम श्री सौरभ तिवाड़ी, राजस्थान पुलिस कांस्टेबल (बैण्ड) रिक्रूट के आल राउण्ड बैस्ट श्री गणपत लाल, इण्डोर में प्रथम श्री यार मौहम्मद, आउटडोर में प्रथम श्री विष्णु तथा सी.आई.एस.एफ. कांस्टेबल (बैण्ड) रिक्रूट के आल राउण्ड में बैस्ट तथा आउटडोर में प्रथम श्री सुरेश, इण्डोर में प्रथम अनु.एस. राज को पुलिस पदक एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रारंभ में महानिदेशक पुलिस श्री मनोज भट्ट ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी ने अनेक नवाचार स्थापित करते हुए पुलिस अधिकारियों को पुलिस कार्यशैली का गहन प्रशिक्षण प्रदान कर इनके व्यक्तित्व को निखारा है।

उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने राजस्थान पुलिस अकादमी में सांस्कृतिक आयोजनों की परम्पराओं को आगे बढाते हुए लंगा एवं मांगणियार बैण्ड पार्टी का 16 अक्टूबर को गठन कर राजस्थानी कला संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि इस बैण्ड पार्टी ने साउथ एशियन सूफी फेस्टीवल में पहली बार मनोहारी प्रदर्शन कर वाहवाही लूटी थीं।

राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने अतिथियों को आभार व्यक्त करते हुए अकादमी की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों एवं उप निरीक्षकों एवं बैण्ड रिक्रूट पार्टियों को प्रशिक्षण के दौरान पुलिस सेवाकाल में उपयोग में आनेवाली हर विधा का गहन प्रशिक्षण दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अकादमी स्तर पर इन लोगों को पुलिस अधिकारी बनने के लिये आवश्यक गुणों को विकसित करने का भरसक प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि 36 सप्ताह के गहन प्रशिक्षण में कुल 182 अधिकारियों प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रशिक्षण में 45 आर.पी.एस. प्रशिक्षु अधिकारी, 16 उप पुलिस निरीक्षक, 13 आर.ए.सी. प्लाटून कमाण्डर, 63 राजस्थान पुलिस बैण्ड कानि तथा 45 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बैंड कांस्टेबलों को प्रशिक्षित किया गया है।

<u>दीक्षांत परेड समारोह के प्रमुख आकर्षणः–</u>

<u>धोरों की गूंज</u>

लंगा–मांगणियार बैण्ड पार्टी ने दिखाई राजस्थानी संस्कृति की झलक

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत की परिकल्पना से उभरी लंगा–मांगणियार बैण्ड पार्टी ने पुलिस दीक्षांत परेड समारोह में अपनी लोकप्रिय प्रस्तुति से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

पहली बार साउथ–एशियन सूफी फैस्टीवल में अपना रंग दिखा चुकी लंगा–मांगणियार बैण्ड पार्टी ने खडताल एवं मोरचंग के साथ जब ''दमादम मस्त कलंदर'' प्रस्तुत किया तो राजस्थानी संस्कृति की झलक देखने को मिली। गायन इतना मस्त था कि दर्शक भी इसके गुनगुनाने को मजबूर हो गये।

....3/

''अनआर्म्ड कॉम्बेट'' (यू.ए.सी.)ने दिखाये आत्मसुरक्षा के तरीके

माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे द्वारा प्रदेश की महिलाओं की आत्मरक्षार्थ प्रदेश में शुरू की यू.ए.सी. (अनआर्म्ड कॉम्बेट) के लिये आरपीए द्वारा प्रशिक्षित किये 359 मास्टर ट्रेनर्स ने राजस्थान के विभिन्न कॉलेजों एवं विद्यालयों में जाकर लगभग एक लाख 74 हजार 422 महिलाओं एवं लड़कियों को आत्मरक्षा के लिये तैयार किया है।

दीक्षांत परेड समारोह में महिला कांस्टेबल्स रिक्रूट टीम ने आत्मरक्षा के अनेक तरीकों का प्रदर्शन कर अपने को सुरक्षित रखने के करतब दिखाये।

राणा की धरती पर शिवा के नृत्य का शानदार प्रदर्शन

आर.पी.ए. के परेड ग्राउण्ड में मराठी रंग–बिरंगी पौशाक में सजी–धजी महिला कांस्टेबल्स ने लेजियम नृत्य के माध्यम से वीर शिवाजी के रणकौशल की बानगी दिखाई तो सभी ने दांतों तले अंगुली दबा ली।

वीर राणा की धरती पर महाराष्ट्र की पारम्परिक वेशभूषा में सजी–संवरी महिलाओं ने विविधता में एकता की छाप छोड़ी।

इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय, पुलिस आयुक्तालय, एवं पुलिस विभाग के अनेक अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।